''सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के नाटकों का अनुशीलन''

- अनुक्रम-

अध्याय का नान	पृष्ठ क्रमांक

अध्याय १ - ' सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व '१-१७

१.१ जीवन परिचय -

१.१.१ जन्म

१.१.२ माता-पिता

१.१.३ बचपन

१.१.४ शिक्षा

१.१.५ पारिवारिक जीवन

१.१.६ नौकरी

१.१.७ संपादक

१.१.८ सम्मान एवं पुरस्कार

१.१.९ मृत्यु (निधन)

१.२ व्यक्तित्व -

१.२.१ बहिरंग व्यक्तित्व

१.२.२ अंतरंग व्यक्तित्व

१.२.२.१ परिश्रमी एवं आत्मनिर्भर

१.२.२.२ प्रतिभासंपन्न

१.२.२.३ निष्पक्षता

१.२.२.४ प्रेरक व्यक्तित्व

१.२.२.५ विद्रोही व्यक्तित्व

१.२.२.६ गरीबों तथा शोषितों के प्रति आस्था

१.२.२.७ समाजसेवक

१.२.२.८ सहृदय व्यक्ति

१.२.२.९ स्पष्टवादिता

अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक

१.२.२.१० अलिप्तता

१.२.२.११ ग्रामीण जीवन से लगाव

१.३ कृतित्व –

१.३.१ कविता-संग्रह

१.३.२ कहानी–संग्रह

१.३.३ उपन्यास

१.३.४ नाटक

१.३.५ बाल–साहित्य

१.३.६ यात्रा–संस्मरण

१.३.७ अनुवाद

१.३.८ संपादन

१.४ सक्सेना के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परस्पर संबंध

• निष्कर्ष

अध्याय २ – ''सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के साहित्य का संक्षिप्त परिचय '' १८-२८

२.१ कविता–संग्रह

२.२ नाटक –

२.३ एकांकी –

२.४ उपन्यास –

२.५ कहानी–संग्रह –

२.६ हिंदी नाट्य साहित्य में सक्सेना का योगदान

• निष्कर्ष

अध्याय ३ – ''सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के नाटकों का कथ्य '' २९-३८

३.१ कथ्य का अर्थ

३.२ कथ्य की परिभाषा

अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक

३.३ 'बकरी' का कथ्य

३.४ 'लडाई' का कथ्य

३.५ 'अब गरीबी हटाओं' का कथ्य

– निष्कर्ष

अध्याय ४ – 'सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के नाटकों का शिल्प' "३९ – ८४"

४.१ शिल्प का अर्थ

४.२ शिल्प की परिभाषा

४.३ कथावस्तु –

४.३.१ 'बकरी'

४.३.२ 'लडाई'

४.३.३. 'अब गरीबी हटाओं'

४.४ पात्र तथा चरित्र - चित्रण

४.४.१ 'बकरी' के पात्र

४.४.२ 'लडाई' के पात्र

४.४.३ 'अब गरीबी हटाओं' के पात्र

४.५ कथोपकथन या संवाद –

४.५.१ संक्षिप्त संवाद योजना

४.५.२ दीर्घ संवाद योजना

४.६ देश काल वातावरण

४.७ भाषा शैली –

४.७.१ पात्रानुकुल भाषा

४.७.३ काव्यात्मक भाषा

४.७.४ वर्णनात्मक भाषा शैली

KAR LIBRARY
KOLHAPUR

अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक

४.७.५ विश्लेषणात्मक / विवरणात्मक भाषा शैली

४.७.६ प्रतीकात्मक भाषा शैली

४.७.७ दृश्य शैली

४.७.८ मुहावरेद्वार भाषा

४.७.९ सुक्तियों / लोकोक्तियों का प्रयोग

४.७.१० विभिन्न भाषा के शब्दों का प्रयोग

४.८ उद्‌देश्य

४.८.१ राजनीतिक तथा सामाजिक व्यवस्था पर चोट करना।

४.८.२ अन्याय-अंधकार को सामने लाना ।

४.८.३ ग्रामीण जीवन से परिचित करना।

४.८.४ गरीबी हटाने के लिए प्रेरित करना ।

४.८.५ भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना ।

४.८.६ काले धंदे को उजागर करना ।

४.८.७ विविध समस्याओं से परिचित कराना ।

४.९ अभिनेयता

४.९.१ 'बकरी' की अभिनेयता

४.९.२ 'लड़ाई' की अभिनेयता

४.९.३ 'अब गरीबी हटाओं' की अभिनेयता

४.१० रंगमंच निर्देश

४.११ दृश्य-विधान

४.१२ गीत-योजना

● निष्कर्ष

अध्याय ५ – ''सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के नाटकों में चित्रित समस्याएँ'' ८५-१००

५.१ समस्या का अर्थ

५.२ समस्या की परिभाषा

५.३ समस्या का स्वरूप, व्याप्ति

अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक

५.४ समस्या के प्रकार

५.५ समस्या और साहित्य का संबंध

५.६ सक्सेना के नाटकों में चित्रित समस्याएँ

५.६.१ राजनीतिक समस्या

५.६.२ भ्रष्टाचार की समस्या

५.६.३ आर्थिक समस्या

५.६.४ बेसहारा लोगों की समस्या

५.६.५ बेकारी तथा शिक्षा संबंधी समस्या

५.६.६ भाषा की समस्या

५.६.७ धार्मिक समस्या

५.६.८ गरीबी तथा दरिद्रता की समस्या

५.६.९ अंधविश्वास की समस्या

५.६.१० जाति की समस्या

५.६.११ अन्याय-अत्याचार की समस्या

५.६.१२ शोषण की समस्या

५.६.१३ प्रशासनिक अव्यवस्था की समस्या

५.६.१४ अज्ञान की समस्या

५.६.१५ मिलावट की समस्या

५.६.१६ पथभ्रष्ट अखबार की समस्या

५.६.१७ यातायात की समस्या

- **निष्कर्ष**

- **उपसंहार** १०१ - १०७

- **संदर्भ ग्रंथ सूची** १०८

  आधार ग्रंथ

  संदर्भ ग्रंथ

  शब्दकोश